

गतिनामसदासिवसंबु माईशुजेचरिधंयजनाउ मक्तप्रदक्षो आसिकपई अयभागेसुविज
दर्मनगंजैजई कृत्यपुसादमाटलगाउ पचलिभैरवि लूमडिमाई आसिकदिठल श्रीमाहा
गजायाई ह्म बोकिठेविज्जंतरमाहाधूपधूवार चधाउलाताल नाथेश्वरिद्विभवाणि हिमनि
ककितिमिथकृणति गारुयनाथसुगंवरहोला सत्यविजारावाला नृनामिना जोतिसरूपदेसा
उनताहा भैरविदेविनु वाकोरमाहा माईको भक्त बिंडेपाव वडोमाहात्म्य देविद्याकपूजाप्र
विधिबिजायाद्यंर सत्यप्रदक्षो बुधानिलकंठ वर्मजैपुन्यगर्तसक्याको कितगयादिना सप

गुरुहंकरजोरितिकाभैरवसिंहस्तमेनापन्यो गोदावरि देविभवाणि जये प्रतिलिखितिका
भैरविदयिनकालिका उतिमाथा उं सियना रायनः श्रीचैपादेविको दर्शनगर्नजा उ धूपधूवा
रध्यानजपगर श्रीचैपादेविवाटगस्थानरु श्रीगननायकमंगलले उं विद्यासपूर्ण सव
कनदे उं पूकृतैगंधं मूकृतैमाथ उतिमा उं पान् श्रीमहिन्द्रनाथ धुनोतमोवन कुंभेस्वर
चुचा उं नजल पान् सुपारिराशि हलिमान् काथुमाजे दुर्गाको धा उ पुभावति पहरा क
तिपूरजा उं श्रीवाभैरवको दरिशनफा उं इचुनारायन कृष्ण अवतान विष्णु भूषा लेता

रोत्वा पान् सिवसिवपावति गंगागौरि पाहि पंद्रवा पाव पोषय रि गरो सहि । उद्विमतिसे
यनाग विष्णुनारायन थाकुर द्वार रिथिरिथि स्वरसिंभू दत्ता महिकामनामा मृगु ति ओ
नवहर्षघा सिवमान् रुद्र त्रिसू गंगा गो सिह कुंद गया जा प्रसि जाया आलिक पुन्य पा
या जान् सवै धरम जया समचार कह छु ॥ घर घर गो साहि था न जाय वडो गा हो पापिना
ई ला ग्या ना मृगु त्या मृगु ना वडु तै ना रघु न माया पापिले देखु देन आ आ लो हि विना लो
हि धर ईत पाई नाई फर्काई दे उं धर पापि फर्कि घरति र आ या गो उं माये लना या गा उ का

२५६
 यरह्या छत्र इपापिको नगर कुर नारायन को नामाले ई सिव के नाथे सर मा हा देव दुनिया
 नयो पान् सवेग छत्र तमो ध्यान गोडा वरि सजा दसयपत्रि स्रकुधरि व्याचमे रि ई न सव
 फल को माला मा ब्रह्मा पुत्र चन चन नाथ ई स्व रि जये जग धूं मा इ मक्त प्रद दो पाई यहि जो अ
 लुति पन कथ मा वा सगर्ना अमृत मो जन ला या नारायन को हजुर जाना के सो ला मा वा स हो
 ला ने ति ता अव स्य हो ला निज ये जगी ना थ वै ज ना थ हरि द्वार न स का ति त्रिये गे नाराय न
 पा प वि ना सि ति सा ज कू ला दे वि हि गु ला न ॥ ॥ व जे ति र्थ के र दो न त न ग र कुं द ल

भिजल धिमे कुदल मा ध्यान गर्त सव न दा व द्या ला ई रि उ म धु न ग रि क ह को वा स हरि म
 ए ति को पु ग ला ई आ स न अ नि द्या मा रि स थि ई दू को म यो स ग स ग मा वै था सा धि मा ल ह
 दु मो ला से ति ता अ व स्य हो जो जि सि छि ता सि स व के का रो रि दि स पा ले ने पा ले सर मा हा दे
 वि श वा नि वा द न सि ह दु द्या वि चो र्थ गि ग श्री रा मा ला अ लु ति स्यु र्म स मा प्रं छ म्
 सम्य र १८०६ सा न नि ती को अ छु रि द र ज ५ को दि न मा ले था को हा

सति श्री गणेशाय नमः ॥ सुन सुन पावु हो म के हि मं रु कलि को प्र जाये ॥ जा व स
 वं रु क हि रु ॥ व सा र वि रु म हे रु आ रु दे उ ता पति प्रये ॥ स ते जु ग मा हे
 म व सी गरः मा ता श्री ली ज मा या पू न्य प्र ता व से ल हि मि पा सा ध ल से रु ति
 ल हि मि मा या ॥ त पति सु न क वं रु रि ता धा मे ति रु ल स गं रा सो ल धा व सि ले ॥ म रु
 के स रि ला म ल मे ला धा व सि ले न य
 ना म सु ध न स ज क
 श्री को हि य का अ ग रो सा य न मे छ म रा जा म रु
 ग रु रु ॥ श्री ग न म रा ज रु

सति श्री गणेशाय नमः ॥ श्री पिता स को क था रुः प र पु र्व श्री मा हा दे व श्री पा र व ति कै ला स म
 सा को र वि रु नः त व ॥ ये क दि न ॥ मा हा दे व ले म ला रु उ म स रा गे म त र से क को त मा सो हे रु
 रु रु ॥ म रि स र व ति ले ॥ हे मा हा दे व य स्तो के ला से रु रि क्ता न जा रु रुः त रु लो क मू लो
 रा म सि क रु न मः स ति श्री ग रो सा य न मः ॥ श्री पिता स को क था रु प रु रा पु र्व
 श्री मा हा दे व श्री पा र व ति कै ला स मा व रु सां का र रु रु रु त व य
 क दि रु ॥ मा हा दे व ले म
 स ति श्री ग रो सा य न म श्री पिता स को क य रु प रु पु र्व श्री मा हा दे व श्री पा र व
 त दि रु वि वि तं य नि कं ता म रु रु रु वी रु नि कं ता म रु रु रु मी रु रु रु पे नो य रु

ॐ	स्व	स्व
ॐ	स्व	स्व
ॐ	स्व	स्व

विष्णु मातेन गारया ध्यात ॥ पितृति यमारहेतो माधवविष्णु मातेन गारया ध्यात हेतो मा
श्रीगणेशाय नमः श्रीस्वस्त्यानि उवाच निह परमेश्वरिजगत्पुण्यवामा ॥ माधवमाहात्म्यमहिमातेन भ्या
नोसि वरामाः आदि अतकोहिनहि पावेः सवद्यदमेविसामा ॥१॥ जीति तिरंजनरूपत हिदा
येभक्तनमन मनमानाः फलश्रीयद्यहं गंधवासलियनि उधिजेपत वतामा ॥२॥ सदा पु स
वरहातु वतेहि परभगच्छतु वना मा उपदिपेने विद्य इत्यादि सवपकवावधाना ॥३॥ अर
घदिहस्तमश्रुपनकारकोः सवसिधारवधानाः सतकि मनोरुपरनकरावसहको नुमहि
ने ॥४॥ अरथवरमस्यशंपतिदिने सदाको कल्याणाः सतकसनदनमनत कसा रोजेपे

ताहेतुमनामा ॥५॥ करुनामहेतुः कोसलसुभावतचरुनसर नुनवा माः अरतहरनामज
गावतसतनमन विसुरामा ॥ महिमा अतनुववेदजसगावतः एतद्वत्तावधाना हरि

हरतुवजलप्रशमनोकोपरनकोमनकामा श्रीस्वस्त्या ॥६॥ शुभ
नारायण गोविंद ॥ दससु किं जगत्सु दिख रना रायन गोविंद ॥ नदिदेवि मानेस्वर
मोहाधुव गोविंद मानेसनवनके जलेस्वर गोविंद गोविंद हस्त रलो राके कुप
पायुविहि सु गोविंद लक्षण श्रीमातेन श्रीनाचना गोविंद

म क ल स षे दु या त यारे जु जु लि ग व क्षि दु र्कार म बा यारे जु जु तु ग ल या
 वि ह त सो ते म फु म जु जु ॥ थ जु तु व र्ध का शी शा त से वो ता जु जु मे त जि व
 वा ना व्र जु जु य थि गु मा या न के नः पो ह वा स व जि त या ग्या ष वा
 सु जि सु दु रु त या रो ना रे जु जु य थि गु मा रि नि ले रे जु जु ॥ ३ ॥ दि
 का र्ध का जि त फ ल रा सु रो ना जु जु : दि न क प त र्मा र्ग म या
 जु जु दि न दु लि या र्ग का म या जु जु ॥ ४ ॥

१।	१।	१।	१।
॥ =	॥ /	॥ =	॥
॥ /	॥ /	॥ /	॥ /
। =	। =	। =	। =
६।			६।

स च न ॥ १९०८ साल मी ती वै
 अ र ए न जी य
 सि त रु पै या
 साल ज मा
 मि ति १२०७ साल मी ति

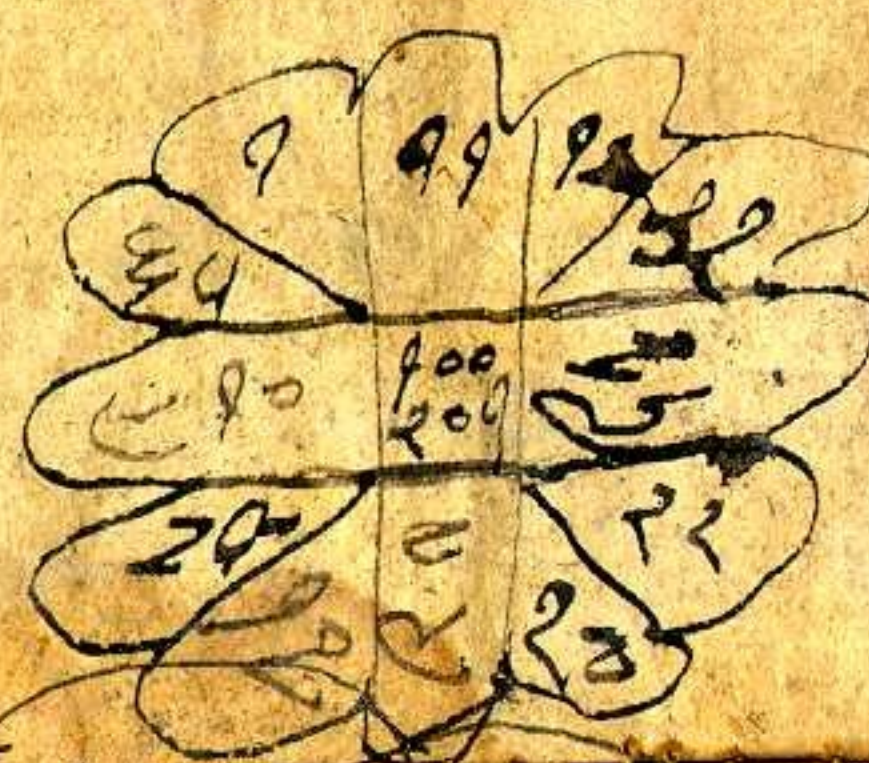
श्री ०

श्री संवत् १८०२ साल मिति कार्गि
रावदि ४ से नव ५

सलि श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः

संवत् १८०२ साल मिति माघ विदि १४ से न

श्री १५



श्री संवत् १८०२ साल मिति माघ विदि १४ से न
ऐलि पितं मधुने कनाम सह से बो हनि
नाम सह से मो ह से पा ५ इ ए पा न

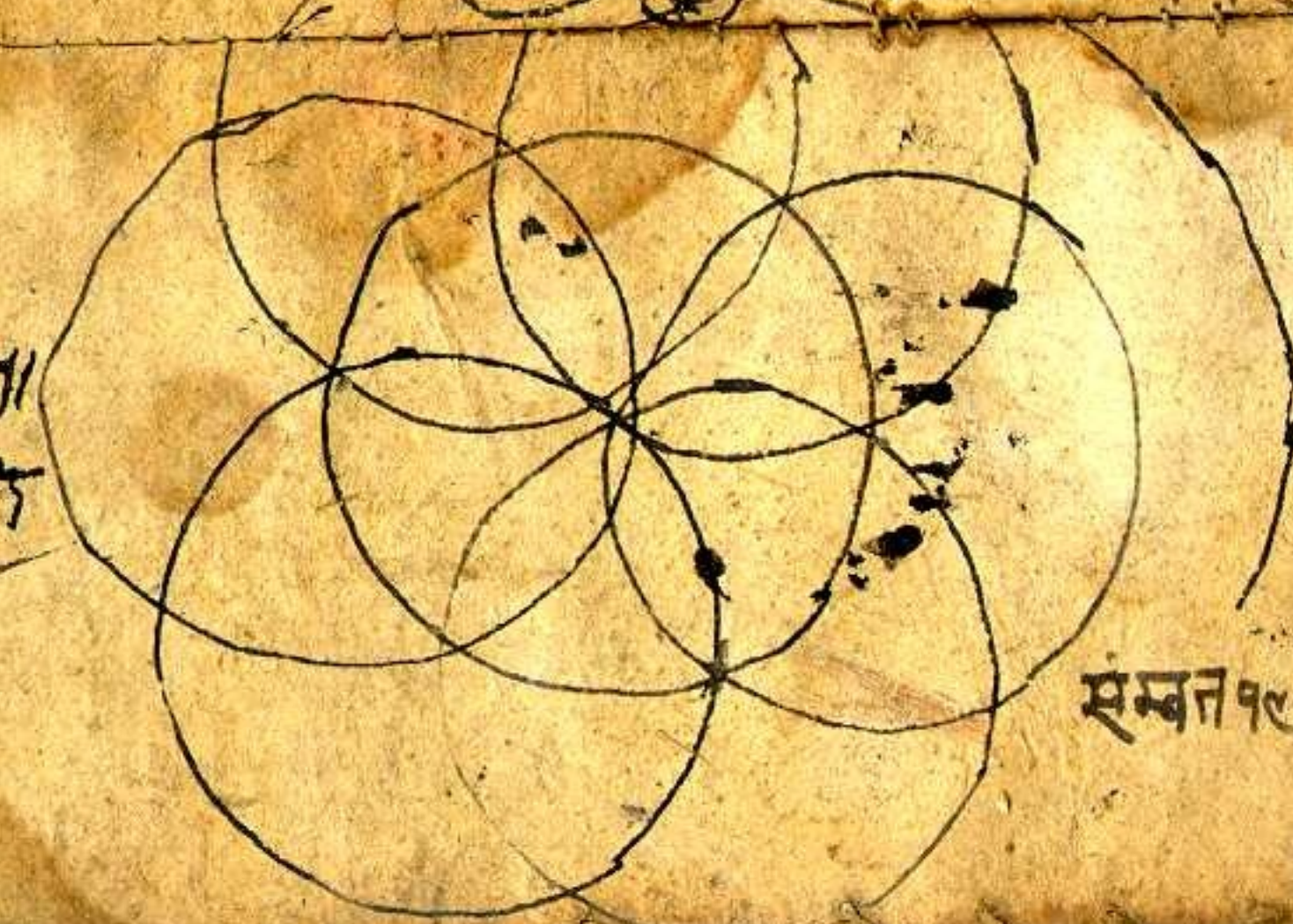
सा को धा न शरि इय

का धा

श्री गणेशाय नमः

समुक्ति गार्गी

संवत् १८०२ साल मिति माघ विदि १४ से न



श्री संवत् १८०२ साल
मिति कार्गि
श्री ५



Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical passage, located on the upper left portion of the manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, located on the upper right portion of the manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, located in the middle section of the manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, located on the lower left portion of the manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, located on the lower right portion of the manuscript.

1720 1000 1/2, 1/2

[illegible]

世宗憲皇帝

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
दः ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ५ ॥

अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥ १० ॥

... ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा त्वं भगवन् ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा त्वं भगवन् ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा त्वं भगवन् ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥